मंगलवार

33 साल से देहरादून का विश्वास

06 मई 2025

- देहरादून
- वर्ष 33
- अंक 95
- पृष्ठ 8
- मूल्य ₹ 1.00

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94

email: doonvalley_news@yahoo.com

Website: dunvalleymail.com

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

नैनीताल छावनी में तब्दील

❑हिंदू संगठनों का प्रदर्शन, मंदिरों में हनुमान चालीसा का पाठ

विशेष संवाददाता

नैनीताल। सरोवर नगरी में 12 वर्षीय नाबालिक के साथ दुष्कर्म की घटना को लेकर आज एक बार फिर हिंदू संगठनों ने सड़कों पर उतरकर उग्र प्रदर्शन किया तथा आरोपी को फांसी दिए जाने के साथ उसके घर पर बुलडोजर चलाने की मांग की। इस प्रदर्शन की पूर्व जानकारी होने के कारण जिला प्रशासन द्वारा सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए। तथा नैनीताल को छावनी में तब्दील कर दिया गया है। नैनीताल जाने वाले रास्तों पर पुलिस का सख्त पहरा है तथा किसी को भी बिना जांच पड़ताल के शहर में नहीं जाने दिया जा रहा है।

विरोध प्रदर्शन के लिए आज तमाम हिंदू संगठनों के कार्यकर्ता और पदाधिकारी मल्लीताल के पंत पार्क में जमा हुए जहां से उन्होंने जुलूस निकाल कर प्रदर्शन किया। पुलिस प्रशासन द्वारा जुलूस के लिए मार्ग तय किया गया था लेकिन प्रदर्शनकारियों ने इसका पालन नहीं किया और मुख्य बाजार में घुस गए। पुलिस द्वारा क्षेत्र में बनी मस्जिद के पास भारी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई थी। प्रदर्शन के मद्देनजर जिला प्रशासन ने कई जिलों से पुलिस बल को बुलाया था। प्रदर्शनकारियों द्वारा जुलूस निकाले जाने के समय नारेबाजी भी की गई तथा मंदिरों में हनुमान चालीसा का पाठ भी किया गया। प्रदर्शनकारी आरोपी उस्मान को फांसी की सजा और उसके घर पर बुलडोजर चलाने की मांग कर रहे हैं।

❑लापरवाह डॉक्टर पर होगी कार्यवाही: डीएम
❑हाईकोर्ट ने प्रशासन से मांगी एक्शन रिपोर्ट

आरोपी उस्मान को पुलिस गिरफ्तार कर चुकी है और उसके खिलाफ कार्यवाही जारी है। इसके बावजूद बीते कई दिनों से उग्र हिंसक प्रदर्शनों के बीच भारी तनाव की स्थिति बनी हुई है। लोग हाईकोर्ट द्वारा आरोपी का घर को तोड़ने पर लगाई गई रोक से भी नाराज है।

उधर जिलाधिकारी वंदना सिंह का कहना है कि पीड़िता को हर संभव सहायता की जा रही है। पीड़ित बच्ची जिस स्कूल में पढ़ती है उस स्कूल के शिक्षकों को घटना की जानकारी मिलने के बाद भी प्रशासन को सूचना न देने तथा पीड़िता को अस्पताल ले जाने पर उसके इलाज से मना करने वाले डॉक्टर के खिलाफ भी कार्यवाही करने की बात कही गई है। उधर हाईकोर्ट ने आज जिला प्रशासन को एक्शन रिपोर्ट पेश करने के निर्देश भी दिए गए हैं।

दून वैली मेल

संपादकीय

माकूल जवाब की तैयारी

पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले को जैसे-जैसे समय बीतता जा रहा है वैसे-वैसे सरकार पर इस हिमाकत पूर्ण कार्यवाही का आतंकियों और पाकिस्तान को जवाब देने का दबाव भी बढ़ता जा रहा है। एक तरफ देश के लोगों द्वारा सरकार पर सवालों की बौछार की जा रही है वहीं तमाम विश्व के देश भी भारत क्या करने वाला है? कब करेगा? करेगा भी या कुछ नहीं करेगा? इसे लेकर तमाम तरह के कयास लगाए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी से लेकर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और गृहमंत्री अमित शाह तक इसका करारा जवाब देने की बात अपने-अपने अलग अंदाज में कह चुके हैं। देश की सरकार इसका क्या जवाब देने जा रही है? इसकी क्या तैयारी कर रही है? यह सब कुछ सार्वजनिक नहीं होना चाहिए था? अगर ऐसा होता तो सरकार को इन तमाम सवालों के जवाब देने के दबाव से बचा जा सकता था। लेकिन सत्ता में बैठे लोगों से यह चूक हो चुकी है। अभी अच्छा यही होगा कि सरकार किसी भी दबाव में आकर कोई फैसला न ले। इस आतंकी हमले का जवाब दिया जाना तो जरूरी है उसे टाला नहीं जा सकता है लेकिन इसका माकूल जवाब क्या हो सकता है? तथा जवाब कब और कैसे दिया जाएगा? इसका फैसला सरकार को ठंडे दिमाग से और सोच समझकर लेने की जरूरत है। क्योंकि इस 21वीं सदी के दौर में युद्ध अब पूर्व में लड़े गए युद्धों की तरह नहीं लड़े जा सकते हैं। आज के दौर में छोटे से छोटा मुल्क भी जब परमाणु हथियारों से लैस हैं तथा सत्ता और सेना के शीर्ष कुछ पाकिस्तानी सेना प्रमुख मुनीर जैसे सिरफिरे लोग तथा सांसद बेअक्ल लोग बैठे हो कि जो कहें कि हमने परमाणु बम नुमाइश में प्रदर्शन के लिए नहीं बनाए हैं। इस मामले में भारत को इस बात का ध्यान रखना होगा कि साबरमती नदी के किनारे पीएम मोदी के साथ झूला झूलने वाले चीन के राष्ट्रपति जिनपिंग और उनके देश चीन पाकिस्तान के साथ खड़ा है ऐसे में पाकिस्तान को कतई भी हल्के में नहीं लिया जा सकता है। अब अगर पाकिस्तान के साथ भारत का युद्ध होता है तो वह 1971 जैसा युद्ध नहीं होगा। जब पश्चिम बंगाल की धरती पर पाक की सेना को सरेन्डर पर विवश होना पड़ा था। जिस पहलगाम की आतंकी घटना को लेकर भारत-पाक के बीच एक और युद्ध की यह लकीर खिंच चुकी है उस हमले को अंजाम देने वाले वह आतंकी जिन्होंने 28 लोगों को मौत की नींद सुला दिया वह कहां गायब हो गए हैं। उन्हें आसमान निगल गया या फिर जमीन खा गई आज इस हमले को हुए 15 दिन का समय बीत चुका है। हमारी सेना और पुलिस तथा सुरक्षा बल अपनी ही धरती पर अभी तक उन्हे नहीं ढूंढ सके हैं। क्या यह हमारी और हमारे सिस्टम की बड़ी नाकामी नहीं है हमें इनके न तो देश में घुसने का पता चला और न हमला करने की जानकारी हो सकी और अब हम उनकी तलाश भी नहीं कर पाए हैं, तो क्या हम सिर्फ हवा में ही बड़ी-बड़ी फेंकते रहते हैं? यह देश की सुरक्षा का मामला है कोई हंसी मजाक नहीं है। इसे भी अगर गंभीरता से नहीं लिया जा सकता है तो हम और क्या कर सकते हैं।

महिलाओं के खिलाफ अपराधों के लिए प्रदेश सरकार जिम्मेदार: धस्माना

संवाददाता

देहरादून। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सूर्यकांत धस्माना ने कहा कि प्रदेश में महिलाओं के खिलाफ बढते अपराधों के लिए प्रदेश सरकार जिम्मेदार है।

आज यहां यह बात उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सूर्यकांत धस्माना ने प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि उत्तराखंड में महिलाओं के खिलाफ हिंसा बलात्कामक हत्या जैसे अपराध रुकने का नाम नहीं ले रहे और नैनीताल तथा नानकमत्ता में घटित घटनाओं ने साबित कर दिया है कि प्रदेश में महिलाएं व बच्चियां बलात्कारियों से सुरक्षित नहीं हैं और इसके लिए पूर्ण रूप से प्रदेश की भारतीय जनता पार्टी की सरकार जिम्मेदार है। उन्होंने कहा कि महिलाओं के खिलाफ हिंसा व अपराध रोकने में पूरी तरह से नाकाम सरकार की सह पर भाजपा समर्थित अराजक तत्व ऐसे मामलों को सांप्रदायिक रंग दे

कर प्रदेश का वातावरण खराब कर रहे हैं और प्रदेश में अराजकता फैलाने का काम कर रहे हैं। धस्माना ने कहा कि हाल ही में नैनीताल व नानकमत्ता की जघन्य अपराधिक घटनाओं को जिस प्रकार से सांप्रदायिक रंग दे कर अराजकता फैलाई गई उससे यह स्पष्ट है कि भाजपा व भाजपा सरकार की मंशा अपराध रोकने की नहीं बल्कि जवाबदेही से बचने के लिए उसमें सांप्रदायिक एंगल ढूंढ कर सांप्रदायिकता फैलाना है।

धस्माना ने कहा कि नैनीताल में घटित नाबालिग से बुजुर्ग द्वारा बलात्कार किए जाने की घटना पर जिस प्रकार से नैनीताल में हिंसा व अराजकता फैलाई गई उससे नैनीताल से पर्यटक पलायन कर गए और आने वाले दिनों के लिए पर्यटकों ने नैनीताल व उसके आसपास के होटलों में बुकिंग रद्द करवा दी।

धस्माना ने कहा कि भाजपा समर्थित इन अराजक तत्वों के कारण राज्य की चार धाम यात्रा व पर्यटन दोनों प्रभावित हो रहो है जो कि उत्तराखंड की आर्थिकी की रीड है। धस्माना ने कहा कि नैनीताल मामले में नैनीताल उच्च न्यायालय ने स्वत: संज्ञान ले कर प्रदेश सरकार व प्रशासन को शांति व्यवस्था बनाने के निर्देश दिए तब जा कर राज्य सरकार की नींद खुलीस उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी प्रदेश सरकार से मांग करती है कि राज्य में महिलाओं के खिलाफ बढ़ रही हिंसा बलात्कार व हत्या जैसे गंभीर अपराध ों पर रोक लगाने के लिए प्रभावी कदम उठाएं जाएं और प्रदेश में शांति व्यवस्था को भंग करने वाले लोगों व संगठनों पर सख्त कार्रवाई की जाए।

स्वर्गीय चौधरी अजीत सिंह को पुण्यतिथि पर दी श्रद्धांजलि

संवाददाता

देहरादून। राष्ट्रीय लोकदल के संस्थापक चौधरी अजीत सिंह की पुण्यतिथि पर उनकी मूर्ति को माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी।

आज यहां राष्ट्रीय लोकदल उत्तराखंड प्रदेश के प्रदेश कार्यालय में रालोद के संस्थापक सदस्य पूर्व केंद्रीय मंत्री चौधरी अजीत सिंह की पुण्यतिथि में रालोद की प्रदेश अध्यक्ष ने उनकी मूर्ति का माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर विनम्र श्रद्धांजलि दी। उन्होंने बताया कि स्वर्गीय चौधरी अजीत सिंह किसानों के हितेषी रहे। उत्तराखंड राज्य आंदोलन में उनका अहम योगदान रहा तत्कालीन कैबिनेट मंत्री 21 तुगलक रोड में निवास करते थे तब उत्तराखंड आंदोलन के वरिष्ठ नेताओं को वह अपना पूर्ण सहयोग देते थे,उत्तराखंड प्रदेश के लिए उनके कार्य अतुलनीय रहे हैं। प्रदेश संगठन महासचिव अशोक चौधरी ने कहा कि स्वर्गीय चौध री अजीत सिंह को आज हम भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। स्वर्गीय चौध री अजीत सिंह ने किसानों के लिए चकबंदी में भूमि बदलाव के कानून को केंद्रीय कृषि मंत्री रहते हुए बदलाव किया था। किसने की भूमि के अधिग्रहण के मुआवजे को बढ़ाने के लिए चौधरी साहब का अहम योगदान रहा है। जिला अध्यक्ष पछवादून सुशील मलिक ने बताया कि हम सभी लोग स्वर्गीय चौधरी अजीत सिंह को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित कर रहे हैं उनकी पुण्यतिथि के दिन आज हम उनके किए हुए कार्यों पर विचार करते हुए उत्तराखंड प्रदेश की जनता को बताना चाहते हैं कि स्वर्गीय चौधरी अजीत सिंह जब कृषि मंत्री रहे तो किसानों के लिए गन्ने की फैक्ट्री को 25 किलोमीटर की दूरी से हटाकर मात्र 15 किलोमीटर दूरी पर लगाने का कार्य चौधरी साहब के द्वारा किया गया जिससे कि गन्ने की मिलें बड़ाई गयी और क्षेत्रीय लोगों को रोजगार मिला एवं गन्ना बेचने की दूरी को कम करने का कार्य किया। अपने-अपने वक्तव्य रखते हुए श्रद्धांजलि कार्यक्रम उपस्थित प्रदेश अध्यक्ष राजेंद्र पन्त, प्रदेश संगठन महासचिव अशोक चौधरी, प्रदेश सचिव आरती जयसवाल, प्रदेश मीडिया प्रभारी सुंदर सिंह रावत, जिला अध्यक्ष सुशील मलिक, महानगर अध्यक्ष देहरादून महेंद्र सिंह बिष्ट, संजय तितोरिया, प्रवीण कुमार, कुसुम ठाकुर, दीपा ठाकुर, सिमरन शर्मा, मुन्नी देवी, गौरव ममगाई, संतोष यादव, इस्लाम, मोहम्मद साजिद, आदि दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कैबिनेट मंत्री ने उपनलकर्मी धनवीर के परिजनों को 1.50 लाख का चैक सौंपा

संवाददाता

देहरादून। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने उपनलकर्मी धनवीर सिंह नेगी के परिजनों ने 1.50 लाख रूपये सहायता राशि का चैक सौंपा।

आज यहां कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने अपने कैंप कार्यालय में उत्तरकाशी जनपद के पुरोला ब्लॉक के ग्राम हुडोली निवासी धनवीर सिंह नेगी के परिजनों को 1.50 लाख की सहायता राशि का चेक सौंपा। विदित हो कि धनवीर सिंह नेगी यूपीसीएल में उपनल के माध्यम से कार्यरत थे और अप्रैल माह में ड्यूटी के दौरान

करंट लगने से उनका दुखद निध न हो गया था। मंत्री जोशी ने शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए उनके पिता बलबीर सिंह नेगी को चेक प्रदान किया। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री ने आश्वासन दिया कि राज्य सरकार पीड़ित परिवार के साथ खड़ी है और उन्हें हरसंभव सहायता प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि उपनल के माध्यम से शीघ्र ही दुर्घटना बीमा के अंतर्गत 50 लाख रुपये की एकमुश्त राशि भी परिजनों को दी जाएगी। इस दौरान मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार संवेदनशीलता के साथ कर्मचारियों और उनके परिवारों के हितों की रक्षा हेतु प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर उपनल एमडी बिग्रेडियर (सेनि) जेएनएस बिष्ट, पिता बलबीर सिंह नेगी, प्रकाश रावत, हेमराज रावत आदि उपस्थित रहे।

प्रदेश में घृणा एवं सांप्रदायिकता का जहर घोल रही है भाजपा सरकार: माकपा

संवाददाता

देहरादून। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी की बैठक में वक्ताओं ने कहा कि भाजपा प्रदेश में घृणा एवं सांप्रदायिकता का जहर घोल रही है।

आज यहां मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी की दो दिवसीय बैठक में कहा कि सरकारी संरक्षण में तेजी से फैल रही घृणा, बिगड़ते साम्प्रदायिक सदभाव पर गहरी चिन्ता व्यक्त की है। पहलगाम में आंतकवादी घटना पर गहरी चिन्ता व्यक्त करते हुऐ इस घटना में मारे गये लोगों के प्रति दुख प्रकट करते हुऐ दो मिनट का मौन रखा तथा शोकाकुल परिवारों के प्रति हार्दिक संवेदना व्यक्त की।

पार्टी राज्य कार्यालय में आयोजित बैठक में पार्टी ने पहलगाम घटना के तुरंत बाद उत्तराखण्ड में कश्मीरियों पर हमला तथा देहरादून में जिलाप्रशासन द्वारा रातों रात दून अस्पताल स्थित दो सौ बर्ष पुरानी मजार ध्वस्त करना ,पार्टी ने नैनीताल में रेप की घटना का विरोध किया है किन्तु इस अपराधिक घटना के बहाने मुस्लिम समुदाय को टारगेट करने व हमला वाले तत्वों तथा थाने के अंदर घुस कर पुलिस अधिकारी के साथ हाथापाई करना तथा देहरादून आदि स्थानों में मुस्लिम समुदाय के लोगों पर हमला करना, अराजक तत्वों द्वारा जगह जगह शान्ति एवं सदभाव के लिऐ लड़ने वालों को धमकी देने वालों के खिलाफ कार्यवाही की मांग कि गई। कार्ल मार्क्स कि 215 जयंती पर उनके चित्र पर पार्टी द्वारा श्रृद्धासुमन अर्पित किये। पार्टी में राज्यभर में वन गुजरों,जंगलों ,ग्राम समाज की जमीनों तथा नदी नालों में रह रहे बेदखली के खिलाफ व्यापक आन्दोलन चलायेगी। पार्टी राज्य के जिला एवं तहसील मुख्यालय में विरोध कार्यवाही के माध्यम से राज्यपाल को ज्ञापन प्रेषित करेगी। पार्टी ने कहा है कि नफरत के खिलाफ निर्णायक लड़ाई लड़ने के लिऐ सभी समान विचारधारा के लोगों को एकजुट करेगी। इस अवसर वक्ताओं ने कहा है कि सामाजिक वैमनस्य फैलाने वालों के खिलाफ हर तरह की कार्रवाई करने का बैठक में फैसला किया गया।। वक्ताओं ने कहा कि उत्तराखण्ड में जो नफरत फैलाई जा रही है, वह सरकार की शह पर है। इससे निपटने के लिए जनता के बीच जाएंगे।

बैठक में केन्द्रीय कमेटी सदस्य राजेन्द्र नेगी, राज्यसचिव राजेन्द्र पुरोहित, इन्दु नौडियाल, महेन्द्र जखमोला, भूपालसिंह रावत, राजाराम सेमवाल, नितिन मलेठा, शिवप्रसाद देवली, लेखराज, अनंत आकाश, माला गुरूंग, मदन मिश्रा, आर पी जोशी, कमरूद्दीन, कमलेश गौड़, सतसिंह, बिरेन्द्र गोस्वामी, सुरेन्द्र रावत,दमयन्ति नेगी, पुरूषोत्तम बडोनी, हिमान्शु चौहान ,विजय भट्ट ,गंगाधर नौटियाल, सुरेन्द्र सिंह सजवाण आदि ने विचार व्यक्त किये। बैठक में नैनीताल में नफरती हिंसा के बीच अमन की बात कहने वाली शैला नेगी को दी जा रही धमकियों पर गंभीर चिन्ता व्यक्त करते हुए धमकी देने वालों को तुरंत गिरफ्तार करने की मांग की गई। सोशल मीडिया पर लगातार नफरती पोस्ट करने वाले के खिलाफ मुकदमा दर्ज होने के बावजूद उसे गिरफ्तार न किये जाने पर भी नाराजगी जताई गई।

उक्रांद ने की प्रोटोकाल अधिकारी को हटाने की मांग

संवाददाता

देहरादून। उत्तराखण्ड क्रांति दल के पूर्व केन्द्रीय अध्यक्ष राजेन्द्र सिंह बिष्ट ने विधानसभा अध्यक्ष के पीआरओ को पत्र सौंपकर प्रोटोकॉल अधिकारी को हटाने की मांग की।

आज उतराखंड क्रांति दल के पूर्व केंद्रीय अध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ राजेंद्र सिंह बिष्ट द्वारा विधानसभा अध्यक्ष रितु खंडूडी के जन संपर्क अधिकारी अशोक शाह को विधानसभा में अवैध रूप से लगे प्रोटोकॉल अधिकारी मयंक सिंघल को तत्काल हटाने को लेकर ज्ञापन सौंपा। उन्होंने बताया कि विधानसभा में किस प्रकार से अवैध शैक्षणिक दस्तावेजों के माध्यम से प्रथम श्रेणी राजपत्रित अधिकारी पद पर मयंक सिंघल जैसे भ्रष्टाचारी अधिकारी को तैनाती दी गयी है, मयंक सिंघल जो वर्ष 2006 में उप प्रोटोकॉल अधिकारी के रूप में विधानसभा में तदर्थ रूप से नियुक्त किया जाता है,विधानसभा सचिवालय सेवा नियम के अनुसार उप प्रोटोकॉल अधिकारी पद पर नियुक्ति हेतु स्नातक उपाधिधारण होना आवश्यक आर्हता है। मयंक सिंघल विधानसभा में कार्यरत है तथा लगातार पदोन्नति प्राप्त करते हुए राजपत्रित अधिकारी प्रथम श्रेणी पद पर आसीन है। सूचना के अधिकार से जब इनके शैक्षणिक दस्तावेजों की जांच की जाती है तो गुरुकुल विश्वविद्यालय, वृन्दावन, मथुरा से दसवी अधिकारी परीक्षा व्यक्तिगत उतीर्ण दर्शाता है , जबकि उतराखंड एस. आई. टी. ने वर्ष 2012 से 2016 तक नियुक्त शिक्षकों के प्रमाणपत्रों की जांच की थी जिसमें यह तथ्य भी एस आई टी जाँच के दौरान प्रकाश में आया कि गुरुकुल वृन्दावन, मथुरा से दसवी अधिकारी परीक्षा व्यक्तिगत माध्यम से नहीं कराई जाती है, एस आई टी ने जाँच रिपोर्ट शिक्षा निदेशालय को भेज दी थी, इसी प्रकार से सूचना के अधिकार के तहत सचिव माध्यमिक शिक्षा परिषद उत्तर प्रदेश ने भी स्पष्ट किया कि गुरुकुल विश्वविद्यालय वृन्दावन, मथुरा की 12 वी पंडित परीक्षा माध्यमिक शिक्षा परिषद उत्तर प्रदेश की इंटरमीडिएट परीक्षा के समकक्ष ना तो पूर्व में मान्य थी और ना ही वर्तमान में मान्य है। इस प्रकार 12 वी पंडित परीक्षा कभी भी मान्य नहीं रही है।

बिष्ट ने कहा कि यदि एक सप्ताह के भीतर मयंक सिंघल के खिलाफ कड़ी कारवाई नहीं की जाती है तो उक्रांद उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होगा, साथ ही कानूनी रूप से इस लडाई को लड़ेगा।

इस अवसर पर दल के केंद्रीय उपाध्यक्ष जय प्रकाश उपाध्याय महामंत्री बृज मोहन सजवाण,, केंद्रीय महामंत्री किरन रावत,पूर्व युवा अध्यक्ष राजेंद्र सिंह बिष्ट, परवीन चंद रमोला, भोला दत्त चमोली, मनीष रावत, अनूप बिष्ट, मनोज कण्डवाल, निषित मनराल आदि रहे।

निष्क्रिय सदस्यों को किया जायेगा बाहरः जायसवाल

संवाददाता

देहरादून। भीम आर्मी एकता मिशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष गीता राम जायसवाल ने कहा कि निष्क्रिय सदस्यों को मिशन से बाहर किया जायेगा।

आज यहां भीम आर्मी एकता मिशन के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष गीता राम जायसवाल ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए बताया कि भीम आर्मी एकता मिशन संगठन में निष्क्रिय सदस्यों पर गिरी गाज , राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल कुमार आजाद ने कड़े निर्देश दिये। भीम आर्मी एकता मिशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल कुमार आजाद ने संगठन में अनुशासन और सक्रियता बनाए रखने के लिए एक अहम निर्णय जारी करते हुए संगठन में निष्क्रिय पदाधिकारी और सदस्यों के खिलाफ कठोर कार्रवाई के निर्देश जारी करते हुए कहा है जो लोग संगठन की गतिविधियों में भाग नहीं ले रहे हैं उन्हें बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

संगठन की पृष्ठभूमि भीम आर्मी एकता मिशन सामाजिक संगठन है जो देश में सामाजिक न्याय शिक्षा और दलित उत्थान के लिए सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं। यह संगठन बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के विचारों पर संविधान में निहित सामानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व के सिद्धांतों पर आधारित है। यह मिशन विशेष रूप से वंचित और पिछड़े वर्गों के लोगों की आवाज बनने का कार्य करता है, उनके अधिकारों की रक्षा के लिए विभिन्न स्तरों पर आंदोलन और जागरूकता अभियान चलाता हैं। उनका नेतृत्व संगठन को नई दिशा और ऊर्जा देने में सफल रहा है। वे स्पष्टवादिता अनुशासन और संगठनात्मक मजबूती के पक्षधर माने जाते हैं।

संगठन में सक्रियता अनिवार्य है राहुल कुमार आजाद ने समीक्षा बैठक में कहां जो सदस्य या पदाधिकारी संगठन की गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी नहीं निभा रहे हैं, वे संगठन की प्रगति में बाधा बन रहे हैं। ऐसे व्यक्तियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी , जिससे संगठन में अनुशासन एवं कार्यकुशलता बनी रहे। उन्होंने सभी क्षेत्रीय इकाइयों को निर्देश दिया है कि वें निष्क्रिय सदस्यों की सूची तैयार करें मुख्यालय को भेजें ताकि समय रहते हुए आवश्यक कदम उठाए जा सकें नया संदेश नई दिशा इस निर्णय को संगठन में एक चेतावनी के रूप में देखा जा रहा है कि केवल ना मात्र की सदस्यता अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

रक्तदान से आलौकिक अनुभव महसूस किया जा सकता हैः डा. शाह

कार्यालय संवाददाता

हरिद्वार। रक्तदान एक आलौकिक अनुभव है एवं जीवन बचाने के लिए हर पल रक्त की आवश्यकता होती रहती है। किसी जरूरतमंद का जीवन बचाने से बड़ा कोई और पुण्य का कार्य नहीं हो सकता है, इसलिये रक्तदान महादान है।

स्वामी विवेकानंद हैल्थ मिशन सोसायटी द्वारा संचालित स्वामी रामप्रकाश चौरिटेबल चिकित्सालय में गोर्खाली सुधार सभा, शाखा हरिद्वार द्वारा जिला ब्लड बैंक के सहयोग से आयोजित स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का उद्घाटन करते हुये मेडिकल डायरेक्टर डा-संजय शाह ने उक्त विचार रखते हुये कहा कि रक्तदान करने के बाद स्वंय को गर्व महसूस होता है, जनहित में रक्तदान एक सराहनीय प्रयास है।

प्रेस क्लब अध्यक्ष धर्मेन्द्र चौधरी ने कहा कि रक्तदान के प्रति लोगों को जागरूक करने की अति आवश्यकता है। ब्लड बैंको में सीमित मात्र में ही रक्त होता है। इसलिए हमें रक्तदान शिविर आयोजित कर सामूहिक रूप से रक्तदान करना चाहिये। समाज में यदि कोई सेवा है तो वह मात्र मानव सेवा है। गोर्खाली सुधार सभा द्वारा जनहित में आयोजित रक्तदान शिविर की सराहना व प्रशंसा की।

❑गोर्खाली सुधार सभा ने रक्तदान शिविर के माध्यम से दी पहलगाम में मारे गये पर्यटकों को श्रद्धांजलि

चिकित्सालय महाप्रबंधक निधि धीमान ने शिविर में पहुंचे लोगों की प्रशंसा करते हुये कहा कि आज भी देश में बड़ी संख्या में लोग रक्त की कमी के बाद अपनी जान से हाथ धो बैठते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के आंकड़ो के अनुसार केवल दो प्रतिशत और अधिक रक्तदाताओं का रक्तदान के लिए आगे आना कई लोगों की जान बचा सकता है।

गोर्खाली सुधार सभा शाखा अध्यक्ष शमशेर बहादुर बम ने कहा कि स्वैच्छिक रक्तदान शिविर में पहुंचे युवाओं का हौसला आफजाई करते हुये कहा कि युवाओं का यह प्रयास सराहनीय व प्रेरणादायक है।

रक्तदान शिविर से पूर्व विगत दिनों पहलगाम घटना में मारे गये पर्यटकों को दो मिनट का मौन रखते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की और घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ हेतु प्रार्थना की।

रक्तदान शिविर में भागीदारी व सहयोग करने वालो में पदम सिंह गुरूंग, वासू ओली, हीरालाल शर्मा, सुमित मल्होत्र, कुमारी शर्मा, अंकित ठाकुर, ओमप्रकाश पांडे, राहुल कुमार, अभिनव गोयल, विपिन कुमार गौतम, पुष्पराज पांडे, करण सिंह राणा, मोनिका, किशन थापा अन्य लोगों का सहयोग रहा।

सम्पत्ति पर कब्जा करने व मारपीट करने पर मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। दिलाराम स्टेट निवासी यामिन हैदर ने न्यायालय में प्रार्थना पत्र देते हुए बताया कि वह संपत्ति स्थित दिलाराम एस्टेट, कैमल्स बैंक रोड़ मसूरी, देहरादून का सह-स्वामी है व निवासी है तथा नगर पालिका परिषद् मसूरी, के अभिलेखों में उक्त संपत्ति में उसका नाम सह-स्वामी अंकित है। उसकी उक्त संपत्ति पर अजय त्यागी, अनिल खंडारी, अंशुल खंडारी, निशांत गोयल, लड्डन, असलम ने अवैध कब्जा किया हुआ था जिन्हें निष्कासित करने हेतु उसके द्वारा उक्त अवैध कब्जाधारियों के निष्कासन हेतु नगर मजिस्ट्रेट, देहरादून के न्यायालय में वाद प्रस्तुत किया था जिसमें नगर मजिस्ट्रेट देहरादून द्वारा आदेश पारित कर उक्त अवैध कब्जाधारियों के निष्कासन हेतु थानाध्यक्ष मसूरी को संपत्ति पर से अवैध कब्जाधारियों को हटाकर खाली करवाने के लिये निर्देशित किया था। उसके द्वारा अपनी उक्त संपत्ति के चारों ओर लोहे की फेंसिग एवं संपत्ति की एंट्री और एग्जिट पर दो गेट लगाये गए जिनमें से एक गेट सेवेन ओक होटल के विपरीत लगाया गया तथा वहां पर एक सिक्योरिटी गार्ड भी तैनात किया गया ताकि उसकी उक्त संपत्ति एवं उसमें निवासरत सभी व्यक्तियों की हिफाजत की जा सके और कोई भी व्यक्ति की उक्त संपत्ति में अवैध न घुस पाये।

उक्त लोगों द्वारा कुछ अज्ञात बदमाशों के साथ मिलकर उसकी उक्त संपत्ति में अनाधिकृत रूप से अनाधिकृत रूप से घुसने तथा अवैध कब्जा करने के बार-बार प्रयास किया जाने लगा तथा उसके द्वारा रोके जाने पर उक्त व्यक्तियों द्वारा उसकी संपत्ति क्षतिग्रस्त करने एवं उसको जान से मारने की धमकियां दी गयी। पुलिस ने न्यायालय के आदेश पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

शबनम बनीं ग्रामीण उद्यमिता की मिसाल

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। जनपद के रुड़की विकासखंड के माधोपुर हजरतपुर गांव की शबनम कभी एक साधारण गृहिणी थीं। आज वे आस्था सीएलएफ के स्वयं सहायता समूह की सक्रिय सदस्य और एक सफल महिला उद्यमी बन चुकी हैं। कभी जिनके पास न कोई स्थायी आय का स्रोत था, न ही व्यवसाय करने का अनुभव, वही शबनम आज अपने गांव की अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बन गई हैं। उनके जीवन में यह बदलाव ग्रामोत्थान परियोजना (रीप) के सहयोग से आया। वर्ष 2023-24 में उन्होंने एकल कृषि उद्यम के अंतर्गत बकरी पालन व्यवसाय के लिए आवेदन किया। पूर्व में वे 2-3 बकरियों से सीमित स्तर पर पालन करती थीं, जिससे मात्र 15 हजार से 20 हजार की अर्धवार्षिक आय होती थी, जो परिवार चलाने के लिए पर्याप्त नहीं थी। ग्रामोत्थान परियोजना की सहायता से 3 लाख रूपये

की एक व्यवसायिक योजना तैयार की गई, जिसमें 75 हजार रूपये की अनुदान राशि, 75 हजार रूपये स्वयं का अंशदान और 1,50 हजार रूपये बैंक ऋण शामिल था। इस वित्तीय सहयोग से उन्होंने 9-10 बकरियों की एक व्यवस्थित इकाई स्थापित की। अब शबनम इस इकाई से प्रति छः माह में 60 हजार से 70 हजार तक की आय अर्जित कर रही हैं। इस आय से वे न केवल अपने परिवार की आर्थिक जरूरतें पूरी कर रही हैं, बल्कि बच्चों की शिक्षा और घरेलू सुविधाओं को भी बेहतर बना रही हैं। शबनम की सफलता इस बात का प्रमाण है कि यदि ग्रामीण महिलाओं को सही मार्गदर्शन, संसाधन और सहयोग मिले, तो वे आत्मनिर्भरता की दिशा में मजबूती से कदम बढ़ा सकती हैं। उनकी कहानी आज न केवल माधोपुर हजरतपुर, बल्कि पूरे हरिद्वार जिले की महिलाओं को आगे बढ़ने की प्रेरणा दे रही है।

निर्णय लेने में होती है कठिनाई ? इसके लिए अपनाएं ये तरीके, जल्द होगा फायदा

निर्णय लेने की क्षमता हर व्यक्ति के लिए बहुत जरूरी होती है। कभी-कभी हम छोटे-छोटे फैसले भी लेने में देर कर देते हैं, जिससे हमारा समय बर्बाद होता है और तनाव बढ़ता है।

इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे तरीके बताएंगे, जिनसे आप अपनी निर्णय लेने की क्षमता को बेहतर बना सकते हैं और समय की बचत कर सकते हैं।

सही तरीके से निर्णय लेने से आप अपने जीवन को अधिक व्यवस्थित और संतुलित बना सकते हैं।

प्राथमिकताएं तय करें

निर्णय लेने से पहले यह जानना जरूरी है कि कौन-सा काम सबसे ज्यादा अहम है। इससे आपको पता चलेगा कि किस काम को पहले करना चाहिए और किसे बाद में टाल सकते हैं।

इससे आपका समय भी बचेगा और आप बिना किसी तनाव के अपने काम कर पाएंगे।

प्राथमिकताएं तय करने से आप अपने दिनचर्या को बेहतर बना सकते हैं और अनावश्यक तनाव से बच सकते हैं। सही प्राथमिकता तय करने से आप अधिक उत्पादक बन सकते हैं।

जानकारी इकट्ठा करें

निर्णय लेने से पहले जरूरी है कि आप उस विषय पर पूरी जानकारी इकट्ठा कर लें। इससे आपको सही विकल्प चुनने में मदद मिलेगी और गलत फैसले लेने की संभावना कम होगी।

इंटरनेट, किताबें या विशेषज्ञों से सलाह लेकर आप सही जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

जानकारी इकट्ठा करने से आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा और आप अधिक सोच-समझकर निर्णय ले पाएंगे। सही जानकारी के साथ लिया गया निर्णय अधिक प्रभावी और संतुलित होगा।

छोटे-छोटे विकल्प आजमाएं

अगर आपको किसी बड़े फैसले को लेकर उलझन हो रही हो तो छोटे-छोटे विकल्प आजमाकर देख सकते हैं। इससे आपको यह समझने में मदद मिलेगी कि सही विकल्प कौन-सा हो सकता है।

उदाहरण के लिए अगर आपको यह तय करना हो कि कौन-सा कपड़ा पहनना चाहिए तो पहले दोनों विकल्पों को अलग-अलग समय पर पहनकर देखें कि कौन सा अधिक आरामदायक है। इससे आप बिना किसी दबाव के सही निर्णय ले पाएंगे और समय की बचत होगी।

दूसरों की राय लें

कभी-कभी हम खुद से ज्यादा दूसरों की राय पर भरोसा करते हैं। इसलिए जब भी कोई अहम फैसला लेना हो तो दोस्तों या परिवार वालों से सलाह लें।

उनके अनुभव और सुझाव आपके लिए मददगार साबित हो सकते हैं। इससे आपको अलग नजरिए से सोचने का मौका मिलेगा और आपका निर्णय अधिक संतुलित होगा।

सही सलाह और समर्थन से आप अपने फैसलों में अधिक आत्मविश्वास महसूस करेंगे और गलत निर्णय लेने की संभावना कम होगी।

समय सीमा निर्धारित करें

निर्णय लेने के लिए एक निश्चित समय सीमा तय करें ताकि आप बेवजह देर न करें। उदाहरण के लिए अगर आपको यह तय करना हो कि कौन-सा खाना बनाना है तो खुद से कहें कि मुझे 10 मिनट के अंदर यह फैसला करना है। इससे आप जल्दी और सही निर्णय ले पाएंगे।

इस तरह आप अपनी रोजमर्रा की चुनौतियों का सामना बेहतर तरीके से कर सकते हैं और अधिक उत्पादक बन सकते हैं। (आरएनएस)

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

आम खरीदते समय इन 5 बातों का रखें खास ध्यान, होगा फायदा

गर्मियों के दौरान आने वाले आम को फलों का राजा माना जाता है। यह न केवल स्वादिष्ट और रसीला है, बल्कि कई जरूरी पोषक तत्वों से भरपूर भी होता है। आम में विटामिन-सी, विटामिन-ए, फाइबर और एंटी-ऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो हमारे स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद हैं। आम का सेवन शरीर को ठंडक पहुंचाने के साथ-साथ पाचन तंत्र को स्वस्थ रखने में भी मदद कर सकता है।

आइए आम खरीदते समय ध्यान रखने योग्य बातें जानते हैं।

हरा आम न खरीदें

आम खरीदते समय उसके रंग पर ध्यान देना जरूरी है। हरा आम पका हुआ नहीं होता है इसलिए इसे खाने से अच्छा है कि पका और पीले रंग वाला आम ही खरीदें।

पके आम में पीले और लाल रंग के धब्बे होते हैं। ये धब्बे न केवल आम की मिठास को बढ़ाते हैं, बल्कि इसके स्वाद को भी बढ़ाते हैं।

ऐसे आम खाने में और भी ज्यादा स्वादिष्ट होते हैं।

गूदे की बनावट पर दें ध्यान

आम के गूदे की बनावट भी अहम होती है। अगर गूदे के अंदर काले धब्बे हों या फिर वह दरदरा हो तो इसे खरीदने से बचें। इस तरह के आम की गुणवत्ता अच्छी नहीं होती और यह खाने में अच्छा नहीं लगता है।

बेहतर होगा कि आप चिकनी और मुलायम गूदे वाले आम को ही प्राथमिकता दें। इससे आपको पका और मीठा आम खाने को मिलेगा, जो आपके स्वास्थ्य के लिए भी फायदेमंद होगा।

सुगंध पर दें ध्यान

आम की खुशबू भी उसकी गुणवत्ता को दर्शाती है। पके हुए आम से मीठी और आकर्षक खुशबू आती है, जो आपको दूर से ही महसूस होती है।

अगर आम में से अच्छी खुशबू आ रही हो तो समझ जाइए कि वह पका हुआ है और इसे खरीदना चाहिए।

दूसरी ओर अगर आम में से कोई खास सुगंध नहीं आ रही हो तो उसे खरीदने से बचें। इससे आपको स्वादिष्ट और ताजगी भरा फल मिलेगा।

आकार पर दें ध्यान

आम खरीदते समय उसके आकार पर भी ध्यान देना चाहिए। गोल या अंडाकार आकार वाले आम ही अच्छे होते हैं।

लंबे आकार वाले आम अक्सर कच्चे निकलते हैं, जिनमें मिठास कम होती है और ये खाने में अच्छे नहीं लगते। इसलिए हमेशा गोल या अंडाकार आकार वाले पके आम ही चुनें ताकि आपको स्वादिष्ट और ताजगी भरा फल मिले।

इस तरह आप अपने परिवार के लिए बेहतरीन आम चुन सकते हैं।

कीमत पर ध्यान दें

आम खरीदते समय उसकी कीमत पर भी ध्यान देना चाहिए।

बाजार में अलग-अलग किस्मों के आम उपलब्ध होते हैं, जिनकी कीमत भी अलग-अलग होती है।

महंगे आम हमेशा बेहतर गुणवत्ता वाले नहीं होते हैं इसलिए अपनी बजट अनुसार ही आम खरीदें। इन पांच बातों का ध्यान रखकर आप आसानी से अच्छे आम खरीद सकते हैं, जो आपके स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद होंगे और आपके परिवार को खुश रखेंगे। (आरएनएस)

शब्द सामर्थ्य -18

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. जीत, फतेह 3. राशन सामान बेचने वाली एक जाति, वैश्य 6. मुर्गी की जाति की एक पक्षी, आधा... आधा बटेर 7. कमल, पंकज, भारत के एक दिवंगत प्रधानमंत्री का नाम 8. नहाने का स्थान, स्नानागार 10. ख्वाब, स्वप्न 12. बुलावा, निमंत्रण 14. तबाही, बर्बादी 17. कत्ल, वध 18. क्षतिपूर्ति, मुआवजा 19. करार, चैन, आराम 21. दृष्टि, निगाह 23. नाश करने योग्य 24. लाडला, प्यारा 25. सीताजी, जनकनंदनी।

ऊपर से नीचे

1. शादी, ब्याह 2. अनाथ, निराश्रित 3. साल, वर्ष 4. दोस्ताना, यारी 5. सुर, देव, भगवान 9. मनुष्य, इंसान, आदमी 11. पाटा जाना, चुकता करना, बात तय करना 12. कार्यक्षेत्र, गोल घेरा, वृत्त 13. अधीनता, मातहती, अधिकार 15. नगर 16. गैरजरूरी 20. दृष्टांत, सुपुर्दगी, उदाहरण 22. धरती, भूतल, धरातल।

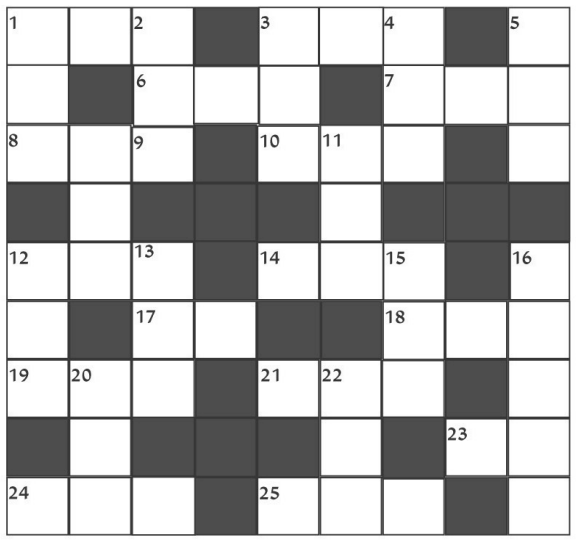

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 17 का हल

अं	त	■	म	री	ज	■	■	■
ग	ह	न	ता	■	ब	र	ब	स
■	की	■	धि	क्का	र	■	र	मा
■	का	■	का	■	द	वा	खा	ना
प	त	वा	र	■	स्त	र	■	■
ह	■	■	■	■	■	दा	मि	नी
ना	■	ए	ह	ति	या	त	■	लां
वा	च	क	■	हा	■	■	खू	ब
■	■	ता	ब	ड़	तो	ड़	■	र

इंटरनेशनल मिशन पर लौटा कार्थी का दमदार अवतार

साउथ सिनेमा के पॉपुलर डायरेक्टर पी.एस. मिथरन एक बार फिर एक्शन और थ्रिल की दुनिया में तहलका मचाने को तैयार हैं। 2022 में आई सुपरहिट फिल्म 'सरदार' के बाद अब 'सरदार 2' का धमाकेदार हिंदी प्रोलॉग रिलीज हो गया है, जिसने फैंस के बीच जबरदस्त उत्साह पैदा कर दिया है। इस प्रोलॉग में हाई-ऑक्टेन एक्शन, इंटरनेशनल मिशन और कार्थी की स्वैग से भरी वापसी ने दर्शकों को पूरी तरह दीवाना बना दिया है।

पी.एस. मिथरन की स्पाई यूनिवर्स की यह दूसरी पेशकश न केवल तकनीकी तौर पर और भी मजबूत दिख रही है, बल्कि इसकी स्केल और स्टोरीलाइन भी पहले से कहीं ज्यादा ग्रैंड नजर आ रही है। प्रोलॉग से साफ है कि इस बार कहानी ग्लोबल लेवल पर खेलने वाली है, जहां खतरा और मिशन दोनों का स्तर कई गुना ज्यादा है।

कार्थी एक बार फिर अपने सबसे बेहतरीन अवतार में लौटे हैं। उनके किरदार की गंभीरता, एक्शन सीक्वेंसेस में तेजी और संवादों की धार सब कुछ दर्शकों को सीट से बांधकर रखने का दम रखते हैं। बैकग्राउंड म्यूजिक भी हर सीन को और अधिक रोंगटे खड़े कर देने वाला बनाता है।

'सरदार 2' की स्टारकास्ट भी कमाल की है - कार्थी के साथ एसजे सूर्या, मालविका मोहनन, आशीका रंगनाथ, योगी बाबू और रजिषा विजयन जैसे कलाकार इस फिल्म को और भी दिलचस्प बनाने वाले हैं। प्रोडक्शन की जिम्मेदारी प्रिंस पिक्चर्स और आइवी एंटरटेनमेंट ने संभाली है, वहीं डायरेक्टर मिथरन अपने विजन् से एक और मास्टरपीस लाने की तैयारी में हैं।

'सरदार 2' को तमिल के साथ-साथ हिंदी, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम भाषाओं में भी रिलीज किया जाएगा, जिससे यह पूरे देश में एक बड़ा पैन-इंडिया इम्पैक्ट बनाने वाली है।

इस फिल्म का प्रोलॉग एक झलक है उस नई जंग की, जहां देश के दुश्मनों से लड़ाई अब सीमाओं से बाहर जा चुकी है। पी.एस. मिथरन की लेखनी और निर्देशन, कार्थी की दमदार परफॉर्मेंस और इंटरनेशनल स्केल का यह मिशन 'सरदार 2' को 2025 की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक बना रहा है। क्या आप तैयार हैं इस बार की सबसे खतरनाक जासूसी कहानी के लिए?

००

भूल चुक माफ का नया गाना चोर बाजारी फिर से जारी, रोमांस करते दिखे राजकुमार-वामिका

अभिनेता राजकुमार राव पिछले काफी समय से अपनी आगामी फिल्म भूल चुक माफ को लेकर चर्चा में बने हुए हैं, जिसके निर्देशन की कमान करण शर्मा ने संभाली है।

इस फिल्म में राजकुमार की जोड़ी अभिनेत्री वामिका गब्बी के साथ बनी है। यह पहला मौका है, जब राजकुमार और वामिका किसी फिल्म में साथ नजर आएंगे।

अब भूल चुक माफ का नया गाना चोर बाजारी फिर से रिलीज हो गया है, जिसमें राजकुमार और वामिका डांस करते दिख रहे हैं।

चोर बाजारी फिर से गाने को नीरज श्रीधर, सुनिधि चौहान, जहराह एस खान और तनिष्क बागची ने मिलकर गाया है। इस गाने के बोल इरशाद कामिल हैं।

यह फिल्म 9 मई, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। दिनेश विजान के प्रोडक्शन हाउस मैडॉक फिल्म्स के बैनर तले इसका निर्माण हुआ है।

फिल्म में राजकुमार ने रंजन तो वामिका ने तितली का किरदार निभाया है। सीमा पहवा इस फिल्म में राजकुमार की मां बनी हैं।

सॉन्ग को लेकर राजकुमार ने कहा, चोर बजारी फिर से एक बेहतरीन गाना है! यह रंजन और तितली के बीच की केमिस्ट्री को बड़ी ही खूबसूरती के साथ दिखाता है। इस गाने की शूटिंग मजेदार रही। मैं म्यूजिक के साथ दर्शकों की एनर्जी और वाइब से भरे फीडबैक का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं।

एक्ट्रेस वामिका गब्बी ने कहा, चोर बजारी फिर से एक बेहतरीन गाना है! इसमें ड्रामा है, डांस है और हर बीट में तितली की मजेदार शरारत है। मुझे लगता है कि दर्शकों को गाने में रंजन और तितली की मस्ती पसंद आएगी। यह मजेदार है!

सिंगर सुनिधि चौहान ने कहा, इस गाने में कुछ ऐसा है जो आपका ध्यान खींचता है। गाना प्ले होते ही, आप गुनगुनाने लगेंगे और अपने पैरों को थिरकने से नहीं रोक पाएंगे! मैं चोर बजारी फिर से का हिस्सा बनकर बहुत खुश हूं। फिल्म में राजकुमार और वामिका के अलावा जाकिर हुसैन, रघुबीर यादव, संजय मिश्रा और सीमा पाहवा लीड रोल में नजर आएंगे। इसका निर्देशन करण शर्मा ने किया है।

...उलझन में वामिका गब्बी

बॉलीवुड एक्ट्रेस वामिका गब्बी अपनी अपकमिंग फिल्म भूल चूक माफ को लेकर चर्चा में हैं। यह फिल्म 9 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म को लेकर फैंस जितना उत्सुक हैं, उतना ही एक्साइटेड वह अभिनेत्री की पोस्ट को लेकर भी दिखाई देते हैं। इस कड़ी में एक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की और लिखा कि वह थोड़ी कंफ्यूज्ड हैं।

वामिका ने इंस्टाग्राम पर कई फोटोज शेयर की हैं। इन फोटोज में उनका क्लोज-अप शॉट है। वामिका ने ब्लैक कलर का टॉप पहना हुआ है और बालों को खुला छोड़ा हुआ है।

इन फोटोज को शेयर करते हुए एक्ट्रेस ने कैप्शन में लिखा, आपकी प्रेमिका आज थोड़ी कंफ्यूज्ड सी है पर दिल में प्यार बरकरार है।

कैप्शन में उन्होंने वाइट हार्ट और पिंक फ्लावर इमोजी का भी इस्तेमाल किया है।

भूल चुक माफ के बारे में बात करते हुए, मेकर्स ने फिल्म का हाल ही में नया गाना चोर बाजारी फिर से रिलीज किया, जिसमें वामिका राजकुमार संग रोमांस करती नजर आईं। इस गाने को सुनिधि चौहान और नीरज श्रीधर ने गाया है। वहीं, कंपोज प्रीतम और तनिष्क बागची ने किया है। यह गाना सैफ अली खान की फिल्म लव आज कल के सॉन्ग चोर बजारी का रीमेक है, जिसमें वह दीपिका पादुकोण के साथ नजर आए थे। फिल्म में राजकुमार रंजन तिवारी और वामिका गब्बी तितली मिश्रा के किरदार में हैं। दोनों की केमिस्ट्री देखने लायक है।

गाने को लेकर वामिका गब्बी ने कहा, चोर बाजारी फिर से एक बेहतरीन गाना है! इसमें ड्रामा है, डांस है और हर बीट में तितली की मजेदार शरारत है। मुझे लगता है कि दर्शकों को गाने में रंजन और तितली की मस्ती पसंद आएगी। यह मजेदार है!

फिल्म में राजकुमार और वामिका के अलावा जाकिर हुसैन, रघुबीर यादव, संजय मिश्रा और सीमा पाहवा लीड रोल में नजर आएंगे। इसका निर्देशन करण शर्मा ने किया है।

राधिका आप्टे ने हाथ में झाड़ू और कमर में बांधी साड़ी!

राधिका आप्टे ने अपने सोशल मिडिया पर अपनी फिल्म का एक पोस्टर शेयर किया है, जिसमें उनके अंदाज ने लोगों को चौंका दिया है। इस पोस्टर में अभिनेत्री हाथ में झाड़ू और कमर साड़ी बांधे हुई नजर आ रही हैं।

अभिनेत्री राधिका आप्टे ने अपने इंस्ट्ग्राम पर एक स्टोरी लगाई है, जिसमें उन्होंने अपनी फिल्म सिस्टर मिडनाइट का एक पोस्टर शेयर किया है। एक्ट्रेस ने जिस पोस्टर को शेयर किया है, उस पोस्ट के कैप्शन में लिखा है, 'सिस्टर मिडनाइट के यूएस टैक्सी ड्राइवर से प्रेरित आधिकारिक पोस्टर की पहली झलक।' इसके अलावा लिखा कि फिल्म का निर्देशन और लेखन का काम करण कंधारी द्वारा किया गया है। साथ ही कैप्शन में लिखा कि यह फिल्म 16 मई को पहले न्यूयॉर्क में फिर 23 मई को लॉस एंजिलस में और उसके बाद बाकी शहरों में रिलीज की जाएगी। वहीं आपको बताते चलें कि इस पोस्टर को जेम्स पैटरसन द्वारा डिजाइन किया गया है।

राधिका आप्टे के इस लुक पर नेटिजंस की प्रतिक्रियाएं आ रही हैं। इसमें एक यूजर ने कमेंट किया कि राधिका एक शानदार कलाकार हैं। दूसरे यूजर ने कमेंट किया कि इस फिल्म का पोस्टर 1976 की 'टैक्सी ड्राइवर' फिल्म के पोस्टर की याद दिलाती है। इसके अलावा अन्य यूजर ने लिखा शानदार फिल्म। अगर राधिका आप्टे के काम के बारे में बात करें तो अभिनेत्री ने रात अकेली है, ओ माय डॉर्लिंग जैसी फिल्मों में काम किया है। इसके अलावा अभिनेत्री ने कई वेब सीरीज में भी काम किया है और अपनी शानदार एक्टिंग से दर्शकों का दिल जीता है।

देश में एक नया दर्शन स्थापित!

अजीत द्विवेदी

कर्ज लेकर घी पीने का एक दर्शन भारत में रहा है। चार्वाक ऋषि को इस दर्शन का प्रणेता माना जाता है। हालांकि यह दर्शन ज्यादा लोकप्रिय नहीं हुआ क्योंकि कर्ज लेकर घी पीने वालों को भारतीय समाज में फ्रॉड माना जाता है। इसलिए यह काम बड़े लोगों खासकर उद्योगपतियों, कारोबारियों, नेताओं आदि के लिए छोड़ दिया गया। मध्यवर्ग अपनी मोरालिटी में इससे दूर रहा तो निचले तबके को इसका मौका ही नहीं मिला। लेकिन अब देश में एक नया दर्शन स्थापित हो रहा है। कर्ज लेकर दाल-रोटी चलाने का। नोटबंदी, जीएसटी और केंद्र सरकार की अन्य आर्थिक नीतियों के साथ साथ कोरोना की महामारी ने भारतीय समाज को इस दर्शन का अनुपालन करने के लिए मजबूर कर दिया है।

भारत में कर्ज के आंकड़े परेशान करने वाले हैं। एक तरफ अमीरों का कर्ज है, जिसमें से पिछले 10 साल में 16 लाख करोड़ रुपए का कर्ज भारत सरकार ने बट्टेखाते में डाला है तो दूसरी ओर रोजमर्रा की जरुरतों को पूरा करने के वास्ते लिए गए कर्ज का आंकड़ा है, जिसके बोझ तले देश का मध्य वर्ग दबा हुआ है।

कोरोना महामारी के बाद घरेलू कर्ज यानी रोजमर्रा की जरुरतों को पूरा करने के वास्ते लिया गया कर्ज लगातार बढ़ता जा रहा है। कई स्तरों पर कर्ज डिफॉल्ट हो रहा है और बैंकों का पैसा डूब रहा है। रिजर्व बैंक के पिछले साल यानी 2024 में क्रेडिट कार्ड सेगमेंट में डिफॉल्ट राशि 28.42 फीसदी बढ़ कर 6.742 करोड़ रुपए हो गई है। पिछले साल जून तक गोल्ड लोन का डिफॉल्ट 6,696 करोड़ रुपए हो गया था। क्रेडिट कार्ड और गोल्ड लोग दोनों का कर्ज छोटी छोटी घरेलू जरुरतों को पूरा करने के लिए लिया गया है। जून 2021 में जब कोरोना महामारी की दूसरी लहर समाप्त हुई उस समय घरेलू कर्ज भारत के सकल घरेलू उत्पाद यानी जीडीपी के 36.5 फीसदी था, जो जून 2024 में बढ़ कर जीडीपी के 42.9 फीसदी तक पहुंच गया। अगर 2015 से 2019 की चार साल की अवधि को देखें तो घरेलू कर्ज का औसत जीडीपी के 33 फीसदी के आसपास था। यानी 2019 के बाद से इसमें 10 परसेंटेज प्वाइंट की बढ़त हुई है। अगर भारत की जीडीपी चार सौ लाख करोड़ रुपए है तो इसका मतलब है कि चार साल में घरेलू कर्ज में 40 लाख करोड़ रुपए की बढ़ोतरी हो गई है।

घरेलू कर्ज के आंकड़ों की थोड़ी और बारीकी में जाते हैं तो पता चलता है कि मार्च 2021 से मार्च 2024 की तीन साल की अवधि में बैंकों से लिए जाने वाले पर्सनल लोन में 75 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। इस अवधि में नॉन बैंकिंग फाइनेंस कंपनीज और हाउसिंग फाइनेंस कंपनी के कर्ज में 70 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। इसी अवधि में मिनी माइक्रो फाइनेंस कंपनी के कर्ज में 67 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। इसकी तुलना में इसी अवधि में घरेलू आय में 43 फीसदी और उपभोग में 49 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। यानी आय व उपभोग के अनुपात में कर्ज ज्यादा बढ़ा है। अर्थशास्त्र के जानकारों का कहना है कि अगर कर्ज बढने का ट्रेंड 2015 से 2019 वाला रहता और उसके बाद चार साल में जितनी तेजी से बढ़ा है वैसे नहीं बढ़ता तो उपभोक्ता खर्च में जीडीपी के दो फीसदी के बराबर कमी आती। इसका बहुत बड़ा असर देश की अर्थव्यवस्था पर पड़ता।

सबसे ज्यादा चिंता की बात यह है कि ज्यादातर कर्ज घरेलू और रोजमर्रा की जरुरतों को पूरा करने के लिए लिया जा रहा है। निवेश करने या कारोबार बढ़ाने के लिए इस अनुपात में कर्ज नहीं लिया जा रहा है। दूसरी खास बात यह है कि पांच लाख रुपए सालाना से कम आय वाले लोग अपनी जरुरतों को पूरा करने के लिए ज्यादा कर्ज ले रहे हैं। यही कारण है कि अनसिक्योर लोन की मात्रा सबसे ज्यादा बढ़ रही है। अगर बैंकों से लिए जाने वाले घरेलू कर्ज में क्रेडिट कार्ड और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स के कर्ज को जोड़ दें तो मार्च 2021 से मार्च 2024 की अवधि में कर्ज बडने का आंकड़ा 82 फीसदी पहुंच जाता है। इन तीनों मामलों यानी घरेलू कर्ज, क्रेडिट कार्ड और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स का गैर बैंकिंग वित्तीय संस्थाओं का कर्ज इसी अवधि में 130 फीसदी की दर से बढ़ा है। तभी माना जा रहा है कि पांच लाख से कम आय वाला घर चलाने के लिए कर्ज ले रहा है और उससे ज्यादा मध्य आय वाला वर्ग घर और कार आदि के लिए कर्ज ले रहा है।

चिंता की दूसरी बात यह है कि पहले से चल रहे कर्ज के बाद भी परिवार कर्ज ले रहे हैं। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के मुताबिक निजी कर्ज लेने वाले पांच से में तीन लोगों के ऊपर एक साथ तीन लोन की किस्तें चल रही हैं। माइक्रो फाइनेंस की बात करें तो छह फीसदी ऐसे हैं, जिन पर चार या उससे ज्यादा कर्ज चल रहे हैं। इसका मतलब है कि घरेलू आय का बड़ा हिस्सा कर्ज की किस्तें भरने में जा रहा है और अगर आय में बहुत जल्दी व तेजी से बढ़ोतरी नहीं होती है तो बैंकों के कर्ज एनपीए में बदलेंगे या आम लोगों पर कर्ज चुकाने का बहुत बड़ा दबाव बनेगा। उनकी कमाई का ज्यादा हिस्सा कर्ज चुकाने में जाएगा।

तभी रिजर्व बैंक ने कर्ज की शर्तें सख्त करने और जोखिम का आकलन करने का निर्देश दिया। इससे कर्ज देने की रफ्तार में थोड़ी कमी आई लेकिन इसका असर उपभोग पर पड़ा और विकास दर गिर गई। सो, यह अलग जोखिम है। इस बीच रिजर्व बैंक ने रेपो रेट में कमी शुरू कर दी है। दो कटौती हो गई है। इससे कर्ज और उपभोग दोनों बढ़ेंगे। पर मुश्किल यह है कि अगर कमाई नहीं बढ़ी तो कर्ज कहां से चुकता होगा? फिर तो बैंकिंग सेक्टर का भी भट्ठा बैठेगा। ध्यान रहे बैंकों के कर्ज में निजी और घरेलू कर्ज का हिस्सा एक तिहाई है और एनबीएफसी व एचबीएफसी के कर्ज में आधा है।

ऐसा नहीं है कि उपभोग के लिए सिर्फ निजी कर्ज या क्रेडिट कार्ड और कंज्यूमर उत्पादों के लिए बैंकों या एनबीएफसी से कर्ज लिए जा रहे हैं, गोल्ड लोन यानी सोना गिरवी रख कर कर्ज लेने का ट्रेंड भी तेजी से बढ़ा है। इसका भी ज्यादातर हिस्सा घरेलू जरुरतों को पूरा करने से जुड़ा है। ताजा आंकड़ों के मुताबिक फरवरी 2025 में गोल्ड लोन में 87.4 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। यह बढ़ कर 1.91 लाख करोड़ रुपए पहुंच गई है। 2019 से 2024 के बीच सोना गिरवी रख कर कर्ज लेने वाली महिलाओं की संख्या में 22 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। इसी बीच गोल्ड लोन डिफॉल्ट में 30 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। आरबीआई के आंकड़ों के मुताबिक मार्च 2024 में गोल्ड लोन बकाया 1,02,562 करोड़ था, जो अक्टूबर 2024 तक बढ़ कर 1,54,282 करोड़ हो गया और फरवरी 2025 में बढ़ कर 1.91 लाख करोड़ हो गया।

गोल्ड लोन के बाद कर्ज का तीसरा सेगमेंट है सूदखोर महाजनों का जिनके चंगुल में देश की गरीब आबादी का बड़ा हिस्सा फंसा हुआ है। ऐसे नागरिक, जिनकी नियमित आय का कोई साधन नहीं है, जिनको कोई भी बैंक, एनबीएफसी या एचबीएफसी कर्ज नहीं देता है और जिनके पास सोना नहीं है, जिसे गिरवी रख कर कर्ज लें वे अपने गांव, कस्बे या शहर के महाजन पर निर्भर हैं। गांवों और छोटे शहरों से लेकर महानगरों तक ऐसे कर्ज देने वाले महाजन हैं, जिनके ब्याज की दरें बहुत ऊंची होती हैं। इनके जाल में फंसने वालों का निकलना मुश्किल होता है।

सो, कर्ज लेकर दाल-रोटी चलाने वालों की तादाद तेजी से बढ़ रही है और दूसरी ओर देश की 10 फीसदी मध्य वर्ग, उच्च मध्य वर्ग और संपन्न लोगों की आबादी है, जिनकी वजह से देश भर के मॉल्स की चमक दमक बनी हुई है। यह 10 फीसदी आबादी, जो 14 करोड़ बनती है वही कारें खरीद रहा है, घर खरीद रहा है, आई फोन्स खरीद रहा है और मॉल्स व रेस्तरां में जा रहा है। उन्हीं को दिखा कर देश के भोले लोगों को बहलाया जा रहा है कि देखो कहां है गरीबी! बताया जाता है कि इतने आई फोन बिक गए, इतनी कारें बिक गईं या मॉल्स में इतनी भीड़ है और किसी महंगे रेस्तरां में बिना पहले से बुकिंग के जगह नहीं मिलती है, लेकिन यह धोखा देने और हकीकत को छिपाने वाली तस्वीर है। यह देश की 10 फीसदी आबादी की सचाई है। बाकी 90 फीसदी आबादी की सचाई यह है कि वो कर्ज लेकर दाल-रोटी चला रही है।(ये लेखक के अपने विचार हैं)

सू- दोकू क्र.18

9		8		1		7		
4		6			7		5	
	3			6		8		9
		3			1		6	
5			6			9		
		9		5			3	
3			7		9			1
	5			2		3	9	
1		4			8		7	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.17 का हल

7	5	6	4	1	2	8	3	9
3	4	8	6	7	9	2	1	5
1	2	9	5	3	8	7	4	6
2	8	1	9	5	6	4	7	3
6	9	7	2	4	3	5	8	1
5	3	4	7	8	1	9	6	2
8	7	2	1	6	5	3	9	4
4	6	5	3	9	7	1	2	8
9	1	3	8	2	4	6	5	7

क्या बिहार में जेपी से बीजेपी तक का सफर अक्टूबर नवम्बर 2025 विधानसभा चुनाव में पूरा होगा

अजय दीक्षित

14 करोड़ आबादी वाले भारत के दूसरे सबसे बड़े राज्य बिहार की 243 विधानसभा सीटों के चुनाव अक्टूबर नवम्बर 2025 में होने वाले हैं। उत्तर प्रदेश, झारखंड,नेपाल की सीमा से लगे इस बिहार राज्य में जातिवाद और आरक्षक का मुद्दा प्रमुख है।इस प्रदेश में यादव, मुस्लिम, बाहुल्य है लेकिन भूमिहार, राजपूत,कोरी, पासी, ब्राह्मण, आदि जातियों है । इस प्रदेश में शायद जगन्नाथ मिश्र अंतिम कांग्रेसी मुख्यमंत्री रहे हैं। वर्तमान में नीतीश कुमार 2004 से मुख्यमंत्री हैं।

इस बार के चुनाव बिहार को जेपी से बीजेपी तक पहुंचा रहे हैं और भारतीय जनता पार्टी का बिहार में राज करने का सपना 2025 में तो नहीं 2026 में पूरा होगा । क्योंकि नीतीश कुमार किसी बीमारी से ग्रसित हैं।भाजपा ने माइक्रो चुनाव प्रबंधन किया है और बिहार मामलों के प्रभारी विनोद तावड़े पीछे 6 माह से बिहार के पटना में डटे हैं और पूरे बिहार की खाक छान रहे हैं।अब चुनाव की गतिविधियों तेज हो गई हैं 25 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दरभंगा आ रहे हैं और इस दिन लाडली बहना जैसी विशाल घोषणा हो सकती है जिसमें 173000 एक करोड़ तिहतर महिलाओ को 1500से 2500 देने की

घोषणा हो सकती है।इस दौरान केंद्रीय मंत्री श्री भूपेंद्र यादव और अश्विनि वैष्णव को भी जिम्मे दारी मिल सकती हैं और विनोद तावड़े पहले से ही है।

राजद, कांग्रेस,से निपटने के लिए कुर्मी,कोरी,पासी,रजक,जैसी छोटी जातियों की ओर एनडीए में लाया जा रहा है अभी यह तय नहीं कि मुख्यमंत्री चेहरा कौन होंगे लेकिन नीतीश कुमार ही होंगे।कई राज्यों के मुख्यमंत्री श्री मोहन यादव, भजनलाल, विष्णु सहाय , नायब सैनी, योगी आदित्यनाथ, शिवराज सिंह चौहान की भी भूमिका बढ़ेगी ।सीटों का तालमेल 243 में से 115पर भाजपा और इतने पर ही जेडीयू लड़ेगी वाकी पर लोजपा,हम पार्टी लड़ेगी और इस बार का चुनाव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के फेस पर होगा। पहली बार बिहार से जेपी से बीजेपी तक का सफर शुरू होगा ।बिहार में मिथिलांचल,मगध, मध्य बिहार क्षेत्र है।मध्य बिहार में यादव मुस्लिम बाहुल्य है वहीं मगध में भूमिहार राजपूत है वही मिथिलांचल में ब्राह्मण का बोलबाला है।आजादी के भगवत झा आजाद, ललित नारायण मिश्रा, अब्दुल गफूर, कर्पूरी ठाकुर,रमई राम, बाबू जगजीवन राम, जयप्रकाश नारायण, चंद्रशेखर,नेता थे वहीं 1990 में उदय हुआ लालू यादव का कुछ दिनों जॉर्ज फर्नांडिस, शरद यादव, अश्विन चौबे, सुशील कुमार मोदी,नेता रहे लेकिन नीतीश कुमार ने बिहार। को जाति धर्म समुदाय से बाहर कर विकास का रास्ता दिखाया।बिहार की मुख्य समस्या है रोजगार यहां युवा शादी होते ही सबसे पहले दिल्ली का रुख करता है।मुंबई, कलकत्ता, पुणे, हैदराबाद,चेन्नई ,जयपुर सहित भारत वर्ष प्रत्येक हिस्से बिहार से पलायन कर इन शहरों में जाता है और मजदूरी करना, झुग्गी में रहना ही उसकी नियति बन गई है।

कैबिनेट मंत्री जोशी ने की विकास कार्यो की प्रगति की समीक्षा

संवाददाता

देहरादूर्न। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने सिंचाई विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक कर मसूरी में चल रहे विकास कार्यो की प्रगति की समीक्षा की।

आज यहां कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने अपने देहरादून स्थित कार्यालय में सिंचाई विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक कर मसूरी विधानसभा क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। बैठक के दौरान मंत्री जोशी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि क्षेत्र में चल रहे कार्यों को शीघ्रता से पूरा किया जाए तथा जो कार्य अभी लंबित हैं, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर निपटाया जाए। उन्होंने विशेष रूप से वार्ड-6, दून विहार, बृजलोक कॉलोनी, ग्राम पंचायत सेरकी, सहस्त्रधारा, सिंगली पंचायत, ग्राम पंचायत चंद्रोटी, ग्रामसभा सिल्ला के शेरा गाँव, घन्तु का सेरा सहित अन्य क्षेत्रों में आरसीसी पाइप, सुरक्षा दीवार एवं जल निकासी से संबंधित निर्माण कार्यों को तेजी से पूर्ण करने के निर्देश दिए। मंत्री जोशी ने कहा कि शासन स्तर पर लंबित प्रस्तावों को भी शीघ्रता से स्वीकृति दिलाई जाए ताकि निर्माण कार्य समयबद्ध ढंग से संपन्न हो सके। उन्होंने अधिकारियों को यह भी हिदायत दी कि विकास कार्यों में गुणवत्ता से कोई समझौता न किया जाए।

शराब के साथ दो गिरफ्तार

देहरादून (सं)। पुलिस ने शराब के साथ दो लोगों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनको न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार ऋषिकेश कोतवाली पुलिस ने श्यामपुर में एक व्यक्ति को संदिग्ध अवस्था में घुमते हुए देखा तो उसको रूकने का इशारा किया। पुलिस को देख वह भाग खडा हुआ। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे से 56 पव्वे शराब के बरामद कर लिये। पूछताछ में उसने अपना नाम पारस ठाकुर पुत्र दिनेश ठाकुर निवासी सहस्त्रधारा रोड कुल्हान बताया। वहीं ऋषिकेश कोतवाली पुलिस ने गोल चक्कर के पास एक व्यक्ति को 43 पव्वे शराब के साथ गिरफ्तार किया जिसने अपना नाम रामप्रित साहनी पुत्र बृजराज निवासी काली की ढाल बताया।

गांजे के साथ गिरफ्तार

देहरादून (सं)। पुलिस ने गांजे के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रेमनगर थाना पुलिस ने धूलकोट के जंगल के पास एक युवक को संदिग्ध अवस्था में घुमते हुए देखा तो उसको रूकने का इशारा किया। पुलिस को देख वह भाग खडा हुआ। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे से एक किलो 256 ग्राम गांजा बरामद कर लिया। पूछताछ में उसने अपना नाम आशिष कुमार पुत्र दिग्विजय कुमार निवासी सुद्धोवाला बताया।

अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर नेपाल ले जायी जा रही 50 हजार की धनराशि जब्त

हमारे संवाददाता

चम्पावत। अंतर्राष्ट्रीय सीमा शारदा बैराज बनबसा पर नेपाल राष्ट्र में निर्धारित सीमा से अधिक की धनराशि ले जा रहे 1 व्यक्ति पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने उसके पास से 50 हजार रूपये की धनराशि जब्त कर ली है।

जानकारी के अनुसार थाना बनबसा क्षेत्रान्तर्गत चौकी शारदा बैराज पर थाना बनबसा पुलिस द्वारा भारत से नेपाल राष्ट्र को निर्धारित सीमा से अधिक की धनराशि, कुल 50 हजार रूपये ले जाने वाले 1 व्यक्ति के विरूद्ध कार्यावाही की गयी है। बरामद धनराशि के संदर्भ में पूछताछ में उक्त व्यक्ति द्वारा कोई भी संतोषजनक उत्तर प्रस्तुत नहीं कर पाया और न ही उसके द्वारा कोई प्रपत्र प्रस्तुत किया गया। रूपये ले जाने वाले व्यक्ति का नाम वीरेन्द्र कुमार पुत्र नन्हे राम, निवासी ग्राम अहरो, जिला रामपुर उत्तर प्रदेश है। जिसे बरामद रूपयो सहित कस्टम विभाग के सुपुर्द कर दिया गया है।

बोर्ड रिजल्ट आने से बढ़ी अविभावकों की चिंता, डीआरडीओ निदेशक से लगायी गुहार

संवाददाता

देहरादून। अविभावकों ने एनएपीएसआर के माध्यम से डीआरडीओ के निदेशक व सचिव को पत्र लिख कर इसी शैक्षिक सत्र से स्कूल मे 11वीं व 12वीं कक्षा संचालित करने की गुहार लगाई है।

आज यहां सीबीएसई के बोर्ड परीक्षा परिणाम नजदीक आने से रक्षा अनुसंधान विद्यालय के अविभावकों मे अपने बच्चों के एडमिशन की चिंता बढ़ने लगी है जिसके लिये उन्होने नेशनल एसोसिएशन फॉर पेरेंट्स एंड स्टूडेंट्स राइट्स (एनएपीएसआर) के माध्यम से डीआरडीओ के निदेशक व सचिव को पत्र लिख कर इसी शैक्षिक सत्र से स्कूल मे 11वीं व 12वीं कक्षा संचालित करने की गुहार लगाई है।

एनएपीएसआर के राष्ट्रीय अध्यक्ष आरिफ खान के अनुसार अविभावकों द्वारा एक पत्र संस्था के माध्यम से डीआरडीओ के निदेशक को भेज कर मांग करी है कि हमारे बच्चे आपके विद्यालय मे शिक्षा ग्रहण करते आ रहे हैं और आप सबके अथक प्रयास और आशीर्वाद से हमारे बच्चों ने इस वर्ष हाई स्कूल की परीक्षाएं दी हैं और ये हमारे लिए गर्व की बात है कि उनके छोटे भाई-बहन भी आपके ही विद्यालय मे आपके सानिध्य मे शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। चूंकि रक्षा अनुसंधान विद्यालय अभी हाई स्कूल तक ही है तो हम अविभावकों के समक्ष इनका रिजल्ट आने के बाद इनके एडमिशन की चिंता खड़ी हो गयी है और उनके भविष्य को लेकर हम सभी अभिभावक परेशान हैं और हम यह भी जानते हैं कि आपका विद्यालय अभिभावकों एवं छात्रों के हित एवं उनके भविष्य के लिए सदैव अग्रसर रहा है और रक्षा अनुसंधान विद्यालय को वर्ष 2015 मे 12वीं तक कि मान्यता मिल चुकी है और विद्यालय के पास कक्षा व शिक्षक दोनो ही उपलब्ध हैं बस आपकी एक हां से अभिभावकों व छात्रों की समस्या का समाधान हो सकता है। इसलिए हम सभी अविभावक नेशनल एसोसिएशन फॉर पेरेंट्स एंड स्टूडेंट्स राइट्स के माध्यम से उनसे अनुरोध करते हैं कि विद्यालय मे इसी सत्र से कक्षा 11 व 12 का संचालन शुरू किया जाए ताकि हम सभी अविभावक अपने बच्चों के एडमिशन और उनकी शिक्षा की चिंता से मुक्त हो सकें। पत्र भेजने वालों मे कविता खान, सीमा नरूला, प्रीति शर्मा, शिवांनी जोशी, विनीता, अमिता नरूला, रानी, प्राची, दीपा दशिला, चंदा बिष्ट, बीना बिष्ट, अनिल नरूला, आशीष नरूला, विकास यादव, आरिफ खान इत्यादि शामिल रहे।

कच्ची शराब, भट्टी उपकरण के साथ दो दबोचे

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। 25 लीटर कच्ची शराब व भट्टी उपकरणो के साथ पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया है।

जानकारी के अनुसार बीती शाम थाना पथरी पुलिस को सूचना मिली कि क्षेत्र के कुछ स्थानों पर कच्ची शराब बनाकर तस्करी की जा रही है। मामले में कार्यवाही करते हुए पुलिस ने अलग-अलग टीमें बनाकर छापेमारी की की कार्यवाही शुरू कर दी गयी। छापेमारी के दौरान सुभाषगढ़ तिराहे से एक आरोपी विनोद कुमार पुत्र बलवंत सिंह को 10 लीटर कच्ची शराब के साथ पकड़ा गया। इसके अतिरिक्त ग्राम भोवापुर से 1आरोपी रामकुमार पुत्र राजपाल को मय भट्टी उपकरण व 15 लीटर कच्ची शराब के साथ गिरफ्तार किया गया है। जिनके खिलाफ अग्रिम कार्यवाही जारी है।

किसान यूनियन राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक में कई नेताओं को मिली जिम्मेदारी

संवाददाता

हरिद्वार। भारतीय किसान यूनियन की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में कई किसान नेताओं को अहम जिम्मेदारी दी गयी।

आज यहां भारतीय किसान यूनियन (सर्व) राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक में कई किसान नेताओं को अहम जिम्मेदारी दी गई है। बैठक में कई मुद्दों पर विचार विमर्श के साथ-साथ आगामी कार्यक्रमों की रणनीति तय की। प्रेस क्लब सभागार में आयोजित राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक का शुभारंभ यूनियन का राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित राज किशोर शर्मा ने दीप प्रज्वलित कर किया। अपने संबोधन में पंडित राज किशोर शर्मा ने कहा कि सभी के सुझाव के साथ-साथ संगठन को आर्थिक रूप से मजबूती के साथ आगे बढ़ाना उनकी पहली प्राथमिकता है।

इस अवसर पर यूनियन के राष्ट्रीय महासचिव संजय चोपड़ा ने कहा कि आज किसान कई समस्याओं से जूझ रहा है, जिसके लिए यूनियन अग्रिम रणनीति तय कर रहा है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यूनियन की महिला राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. रश्मि चौधरी ने एक सर्वे के तहत किसान महिलाओं के सशक्तिकरण और महिलाओं को संगठन से जोड़ने का प्रस्ताव रखा गया। इस मौके पर प्रेस क्लब अध्यक्ष धर्मेन्द्र चौधरी, महासचिव दीपक मिश्रा, वरिष्ठ पत्रकार राहुल वर्मा, सुनील पाल को पगड़ी पहनाकर सम्मानित भी किया गया। कार्यकारिणी बैठक में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अनिल शर्मा, अनुराग शर्मा, राजीव थपलियाल, सुरेंद्र शर्मा, रेनू चौहान, सतीश भारद्वाज, राज किशोर शर्मा, मुनेश कुमार, करण सिंह पंवार, डॉ. पवन चौहान आदि मौजूद रहे।

पर्यावरणीय बदलावों पर गोलमेज संवाद का आयोजन

संवाददाता

देहरादून। एसडीसी फाउंडेशन ने उत्तराखण्ड में सामाजिक, आर्थिक, राजीतिक और पर्यावरणीय बदलावों पर गोलमेज संवाद का आयोजन किया।

आज यहां एसडीसी फाउंडेशन ने हाल ही में उत्तराखंड की मौजूदा स्थिति पर विचार-विमर्श के लिए दून लाइब्रेरी में गोलमेज संवाद का आयोजन किया। इस चर्चा में विभिन्न क्षेत्रों से आए प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया और सामूहिक रूप से राज्य में विभिन्न आयामों में उभरती चिंताजनक प्रवृत्तियों पर चिंता व्यक्त की। उत्तराखंड का भविष्य: सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक और पर्यावरणीय बदलाव और उनका प्रभाव' शीर्षक से आयोजित इस चर्चा की शुरुआत दून लाइब्रेरी के चंद्रशेखर तिवारी ने की।

वरिष्ठ पत्रकार और कार्यकर्ता राजीव नयन बहुगुणा ने कहा कि उत्तराखंड का समाज खतरनाक चुप्पी से गुजर रहा है। उन्होंने आगाह किया कि इस चुप्पी को तोड़ने की कोशिश करने वाली कई आवाजें चुप्पी से भी ज्यादा नुकसानदेह साबित हो रही हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि इस चुप्पी को तोड़ने की जिम्मेदारी राज्य के उन लोगों की है जो राजनीतिक लालच से प्रेरित नहीं हैं।

वरिष्ठ पत्रकार जयसिंह रावत ने कहा कि आज जिसे भूमि कानून सुधार के रूप में पेश किया जा रहा है, वह वास्तव में ऐसा नहीं है। बल्कि, यह जनभावनाओं को भड़काने के उद्देश्य से किया गया आंदोलन है। उन्होंने बताया कि सरकार नागरिक समाज से जुड़ने को तैयार नहीं है और रोजमर्रा की सार्वजनिक सेवाएं बिना किसी पक्षपात के नहीं दी जा रही हैं। उन्होंने राज्य में एक विश्वसनीय राजनीतिक विकल्प बनाने की तत्काल आवश्यकता पर भी जोर दिया।

सामाजिक कार्यकर्ता जगमोहन मेहंदीरत्ता ने राज्य के पहाड़ी और मैदानी क्षेत्रों के बीच बढ़ते तनाव पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में क्षेत्रवाद राजनीतिक सफलता का शॉर्टकट बन गया है। पवन लालचंद ने कहा कि मैदानी इलाके उत्तराखंड का अभिन्न अंग हैं, फिर भी उनके मुद्दों को अक्सर नजरअंदाज किया जाता है। उन्होंने नारसन जैसे स्थानों पर किसानों के संघर्षों पर प्रकाश डाला, जिनकी आवाज भी सुनी जानी चाहिए। पत्रकार योगेश कुमार ने राज्य में मजबूत दबाव समूह विकसित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। कार्यकर्ता त्रिलोचन भट्ट ने कहा कि उत्तराखंड में सांप्रदायिकता और क्षेत्रवाद ने जड़ें जमा ली हैं और उन्हें व्यवस्थित रूप से बढ़ावा दिया जा रहा है। एसडीसी फाउंडेशन के अनूप नौटियाल ने समापन भाषण प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि इस समय राज्य में पर्यावरण को सबसे अधिक नुकसान हो रहा है। चार धाम यात्रा की अनियमित प्रकृति का हवाला देते हुए उन्होंने वहन क्षमता के बारे में विचार न किए जाने की ओर ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने उत्तराखंड में बढ़ती बेरोजगारी, बिगड़ती कानून व्यवस्था और राजनीतिक गतिरोध पर भी प्रकाश डाला। इस संदर्भ में उन्होंने बुद्धिजीवियों, युवाओं और महिलाओं से आगे आकर राज्य के भविष्य को आकार देने में सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की।

पहाड़ों में उगाई जा रही अफीम की खेती को किया नष्ट

हमारे संवाददाता

उत्तरकाशी। पुलिस, एसओजी व राजस्व विभाग की टीम द्वारा नशे के खिलाफ बड़ी कार्यवाही करते हुए 160 नाली भू-भाग पर उगाई गयी अफीम की खेती को नष्ट कर दिया है। साथ ही अफीम की खेती करने वाले 4 लोगों पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

बीते रोज एक सूचना के बाद पुराला थाना पुलिस, एसओजी व राजस्व की टीमों द्वारा डामटा व बर्नीगाड क्षेत्र मे छापेमारी कर राजस्व क्षेत्र के ग्राम भौंती के आस-पास करीब 120 नाली भू-भाग तथा ग्राम सिगुंणी स्थित चीणाखेत तोक में करीब 40 नाली भू-भाग कुल 160 नाली(3.2 हेक्टेयर) पर अफीम/पोस्त की खेती का विनष्टीकरण किया गया है। ग्राम सिंगुणी स्थित चीणाखेत तोक में करीब 40 नाली कृषि भूमि पर बिना लाईसेंस के अफीम पोस्त की खेती करने वाले 4 भू-स्वामियों अमर सिंह पुत्र तेग सिंह, राजेन्द्र सिंह पुत्र अमर सिंह, रणवीर सिंह पुत्र गुलाब सिंह व मैंदर सिंह पुत्र सीताराम निवासी ग्राम सिंगुणी थाना पुरोला के खिलाफ थाना पुरोला पर एनडीपीएस एक्ट मे मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले मे अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है।

केदारनाथ धाम में नाच-गाना कर वीडियो वायरल किया, मुकदमा दर्ज

हमारे संवाददाता

रूद्रप्रयाग। केदारनाथ धाम में नाच-गाना करने के बाद उसका वीडियो वायरल करने वालों के खिलाफ पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। वायरल वीडियो कपाट खुलने से पहले का बताया जा रहा है।

❑कपाट खुलने से पूर्व का बताया जा रहा है वायरल वीडियो

गत दिवस से विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें कुछ युवक केदारनाथ मन्दिर के पीछे के हिस्से में डी.जे. बजाकर नाचने सहित हो-हल्ला कर रहे हैं। इस वायरल वीडियो के सम्बन्ध में आस-पास पूछताछ करने पर ज्ञात हुआ कि यह वीडियो दिनांक 1 मई 2025 की रात्रि यानि केदारनाथ धाम मन्दिर कपाट खुलने से एक दिवस पूर्व का है।

इस प्रकरण में गिरीश देवली, प्रभारी अधिकारी बीकेटीसी हाल केदारनाथ धाम द्वारा कोतवाली सोनप्रयाग पर दी गयी तहरीर के आधार पर मुकदमा(धार्मिक व पूजा स्थल को अपवित्र करना) सम्बन्धी इन अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ दर्ज किया गया है। जिसमें जांच शुरू कर दी गयी है।

ब्रह्मकमल चौक को जिला प्रशासन ने किया रातोंरात तटस्थ

संवाददाता

देहरादून। जन दुर्घटनाओं जन जहमत का कारक: बन रहे ब्रह्मकमल चौक को जिला प्रशासन ने रातोरात तटस्थ करा दिया गया है।

आज यहां जन दुर्घटनाओं जन जहमत का कारक: बन रहे ब्रह्मकमल चौक, जिला प्रशासन ने किया रातोरात तटस्थ करा दिया गया है। जिलाधिकारी सविन बसंल की अध्यक्षता में आयोजित की गई सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में जिले में दुर्घटना के कारण तथा यातायात बाधित करने वाले स्थानों पर समिति द्वारा सुधारात्मक कदम उठाने का निर्णय लिया गया था जिसके सापेक्ष यह कार्य किया गया है।

ग्रेट वैल्यू चौक में ब्रहमकमल के

कारण चौक की गोलाई अधिक है, जिससे यातायात प्रभावित हो रहा था, सड़क सुरक्षा के दृष्टिगत जिले में सुधारीकरण कार्य युद्ध स्तर पर जारी है। इसी कड़ी में आईएसबीटी सड़क सुरक्षा सुधारीकरण एवं ड्रेनेज कार्य अपने अंतिम चरण में जिसका मुख्यमंत्री द्वारा जल्द ही लोकार्पण किया जाएगा।

यातायात के दृष्टिगत चौक चौराहा का सुधारीकरण एवं सौंदर्यकरण कार्य जारी है जिसे 15 जून से पहले पूर्ण कर लिया जाएगा। सड़क सुरक्षा के दृष्टिगत दुर्घटना संभावित चिन्हित स्थानों पर स्पीड ब्रेकर भी स्थापित किए गए हैं। यातायात सुगमता के लिए राजपुर रोड में सड़कों पर डिवाइडर के साथ ही शहर में 11 नए व्यस्तम चौराहों पर ट्रैफिक लाइट लगाने का कार्य गतिमान है।

जिलाधिकारी द्वारा यातायात के दृष्टिगत चौराहों पर जेबरा क्रॉसिंग एवं लेफ्ट टर्न फ्री करवाने के यातायात पुलिस को निर्देशित किया है।

नगर निगम में हुए भूमि खरीद घोटाले की जांच शुरू

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। नगर निगम में हुए भूमि खरीद घोटाले की जांच शुरू कर दी गयी है। इसके लिए आईएएस अफसर रणवीर सिंह चौहान हरिद्वार पहुंच गए है और उन्होने जांच शुरू कर दी है।

हरिद्वार नगर निगम ने नवंबर 2024 में सराय गांव में स्थित लगभग 33 बीघा भूमि को 54 करोड़ रूपये में खरीदा गया था। यह भूमि नगर निगम के कूड़ा निस्तारण केंद्र के पास स्थित थी। आरोप है कि इस भूमि का वास्तविक मूल्य 10-15 करोड़ रूपये था, लेकिन लैंड यूज बदलकर और सर्किल रेट का लाभ उठाकर इसे अधिक कीमत पर खरीदा गया, जिससे सरकारी खजाने को भारी

नुकसान हुआ।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर इस मामले की जांच गन्ना और चीनी विभाग के सचिव रणवीर सिंह चौहान को सौंपी गई। जांच में प्रथम दृष्टया गंभीर अनियमितताएं पाई गईं, जिसके आधार पर रवीन्द्र कुमार दयाल (प्रभारी सहायक नगर आयुक्त), आनंद सिंह मिश्रवाण (प्रभारी अधिशासी अभियंता), लक्ष्मीकांत भट्ट (कर एवं राजस्व अधीक्षक) व दिनेश चंद्र कांडपाल (अवर अभियंता) को निलंबित किया गया। इसके अतिरिक्त, सेवा विस्तार पर कार्यरत सेवानिवृत्त संपत्ति लिपिक वेदपाल की सेवा समाप्त कर उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं । वरिष्ठ वित्त अधिकारी निकिता बिष्ट से स्पष्टीकरण मांगा गया है ।

सरकार ने इस मामले में दोषी अधिकारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू कर दी है। जमीन बेचने वाले किसानों के बैंक खातों को फ्रीज करने के आदेश भी दिए गए हैं।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।